

(b) if so, how many; and what aspects of Christianity were high lighted therein?

**The Minister of Information and Broadcasting (Shrimati Indira Gandhi):** (a) and (b). Yes, Sir; on the occasion of the Eucharistic Congress, Bombay, the Publications Division of this Ministry published 75,000 copies of a booklet titled "Christianity in India", which gives information about the growth of Christianity in the tolerant climate of this country. It also gives the total number of Christians, their State-wise distribution and the place they occupy in the life of the country. The rights and privileges enjoyed under the Constitution by the Christian community in the educational and other spheres have been highlighted, as also their contribution in the field of education and social work.

#### Indian Repatriates from Burma

1655. { **Shri D. C. Sharma:**  
 { **Shri P. C. Borooah:**

Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state:

(a) whether a ship carrying Indian repatriates from Burma has arrived during the first-second week of December;

(b) if so, how many repatriates have arrived in that ship and the average extent of belongings per head brought by them; and

(c) how many more Indians are left awaiting repatriation?

**The Minister of External Affairs (Shri Swaran Singh):** (a) Yes, Sir.

(b) 1,773 passengers (including infants) arrived in that ship. The repatriates carried only limited quantities of personal effects. The average value per head of these effects is estimated to be Rs. 500.

(c) Approximately 1,20,000 Indian nationals are awaiting repatriation to India.

#### भारतीय सेना या नौसेना में ईसाई धर्म का प्रचार

1656. **श्री बड़े :** क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय सेना अथवा नौसेना में ईसाई धर्म का प्रचार करने के लिए कुछ धर्म प्रचारकों को अनुमति दी गई है;

(ख) क्या इसी तरह की अनुमति किन्हीं अन्य धर्म प्रचारकों को भी दी गई है;

(ग) देश के किन-किन नौ-सैनिक प्रशिक्षण केन्द्रों में ईसाई धर्म प्रचारक इस समय काम कर रहे हैं; और

(घ) क्या ईसाई बनाने के बारे में उन्हें कोई शिकायतें मिली हैं ?

**प्रतिरक्षा मंत्री (श्री यशवन्तराव चव्हाण) :** (क) तथा (ख). जी नहीं। तदपि सेना में प्रत्येक धर्म सम्प्रदाय के लिए एक की दर से धर्म-शिक्षक उपलब्ध किये जाते हैं, अगर अफसरों को छोड़ कर किसी यूनिट के सेविवर्ग की संख्या 120 से कम न हो, तो। सेना में पादरी, स्थान के आधार पर उपलब्ध किये जाते हैं, और किसी स्थान में सभी यूनिटों के लिए भी। इन धर्म-शिक्षकों के कतव्य हैं शवयात्राओं में सम्मिलित होना, हस्पताल में रोगियों के लिए प्रार्थना करना, रोग से स्वस्थ हो रहे व्यक्तियों के साथ प्रार्थनाएं करना, सैनिक कारावासों में दण्ड भुगत रहे सैनिकों को मिल कर उन्हें उपदेश देना, या कभी-कभी कारागार बैरकों में जाना, सैनिकों के अपने-अपने वर्गों के कल्याण के लिए उपदेश देना, इत्यादि।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) जी नहीं।